|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| VOLUME 20. |  | SATURDAY MORNING, | RY 19, 1850. |  | UMMBER |
|  | \%rpert 7 oue |  |  |  | ining what he pronounced tho gonuinel Koran, causedall the others to be destroyed.If we ars fur from considering Mahomot tho gross and |
|  | Mundinipit |  |  |  |  |
| 。 |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Wero. heavy with its weight of ponitonco and love. Yot as I watched the reatloss look in her oyes, and the faint shadow that still lingered on the young man's fnee, I | \% |  |
|  |  |  | thought how mach had beon porilled, and how much-ay, ton times happier-would both have folt had the first |  |  |
|  |  | Sid | $\begin{aligned} & \text { parrel never been! } \\ & \text { In the confossioa of departure I lost iny young frlonda, } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | me-"So you are again our follow-passenger to-_?" Hut I will not say where, lest the youg couple chould |  |  |
|  |  |  | "speer" for me, and denand why 1 dared to "put them in print." And yot thoy would scarce be wroth did they know the many chords they touched, and the warm in- |  |  |
| USTMES DUESOTOR |  |  | A |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | then the young people looked at one another, aud amiled. I asid to the wife-drawing the bo at fenturo-"What |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Thoy bado me good-night, and dissappeared |  |  |
|  |  |  | A W'DDINGEXCURSION. Hon the areat west |  |  |
|  |  |  | The evening tho coremony was performed which made |  |  |
|  |  |  | Amind |  |  |
|  |  |  | $\begin{aligned} & \text { of starting the nexy muruing ou a graud tour of obocrva- } \\ & \text { tion. } \\ & \text { "He had alvays bin to hum," he said, "ednd never } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  | Nomen |  |  |
| Tomemememe |  | diol |  |  |  |
| Po |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | dome | $\begin{aligned} & \text { ing. Dome of themp thought immad taken toave of his } \\ & \text { senses, or cortainly was not in earnest, but ho essur, } \\ & \text { ed them he was, and the next morning, tackliug up "old } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  | and |  |  |
|  |  | motele |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | sight bt hepr smake pipes, and in an ecstacy of wonder |  |  |
|  |  |  | Sole |  |  |
|  |  |  | what a croek! furder cross than from our house to Shad low's mill! ain't it Rach? Eec, they aro tying up the |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | bor |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | The plank was out, nad Ting, fullowsod slowly by Rnch. el, boldy walked up, nad soon stood ulong side the engine. |  |  |
|  |  |  | Hesmereme |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | h bat |  |  | Whatentemat imme |  |
|  | , |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| " |  |  |  |  |  |
|  | \% |  | sho's ryming awny. What 'ill, do? Oh Lord, cass |  |  |
|  |  |  | A wag who comprehended poor Tim's predicament |  | Uidem |
|  |  |  |  |  |  |
| 0 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Sole |  |  |
|  |  |  |  | Lindin in miner |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| res |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Recrre-Whonever you get a black eyo by a full |  |  |
|  | nd mob boto tha famil whe |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

